Roll No. ……..

MASL–202

गद्य एवं पद्य काव्य

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16)

Second Year, Examination, 2017

समय **: 3** घंटा पूर्णांक **: 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोकों एवं गद्यांशों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए—

   (क) प्रत्यासन्ने नभसि दयिताजीवितालम्बनार्थी जीमूतेन स्वकुशलमयी हारयिष्यन् प्रवृत्तिम्। स प्रत्यग्रैः कुटजकुसुमैः कल्पितार्घाय तस्यै प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार॥

(ख) अप्यन्स्मिञ्जलधर। महाकालमासाद्य काले स्थातव्यं ते नयनविषयं यावदत्येति भानुः।

कुर्वन् सन्ध्या बलिपटहतां शूलिनः श्लाघ्यनीय-
मामन्द्राणां फलमविकलं लप्स्यसे गर्जितानाम्॥

(ग) अद्य हि वेदा विच्छद्य वीथीषु विक्षिप्यन्ते, धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषू ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्ट्वा पानीयेषु पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्ट्रेषु भर्ज्यन्ते, "क्वचित्मन्दिराणि भिद्यन्ते, क्वचित्तुलसीवनानि छिद्यन्ते, क्वचिद् द्वारा अपह्रियन्ते, क्वचिद् धनानि लुण्ठयन्ते क्वाचिदार्तनादाः।

(घ) एनां च सुन्दरीमाकलय्य कोऽपि यवनतनयो नदी तटान्मातुर्हस्तादाच्छिद्य क्रन्दतीं नीत्यायससार। ततः किञ्चिदध्वानमतिक्राम्य यावदसिधेनुकां सन्दर्श्य विभीषकयास्याः क्रन्दनकोलाहल शमयितुमियेष, तावदकस्मात् कोऽपि कालकम्बल इव भल्लूको वनान्तादुपाजगाम।

2. 'मेघदूतम्' विप्रलम्भ शृंगार कोटि की रचना है। सिद्ध कीजिए।
3. 'शिवराजविजय' के गद्यसौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
4. 'शिवराजविजय' की कथावस्तु का सारांश लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कालिदास के उपमासौन्दर्य को "मेघदूतम्" के किन्हीं दो उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।
2. पूवमेघ की प्रथम इकाई पर प्रकाश डालिए।
3. आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यंगनानां "सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि" इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।
4. "रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवायः" इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।
5. शिववीर का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. उपन्यास के तत्वों का नामोल्लेख करते हुए शिवराजविजय का प्रतिपाद्य लिखिए।
7. बाणभट्ट पर एक टिप्पणी लिखिए।
8. पं. अम्बिकादत्त व्यास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प चुनिए—

1. 'मेघदूतम्' में यक्ष ने किस आश्रम में निवास किया था ?
   (क) रामगिरि आश्रम

(ख) जाबालि आश्रम

(ग) अगस्त्य आश्रम

(घ) इनमें से किसी में नहीं

2. यक्ष ने मेघ से किस पर्वत पर विश्राम करने के लिए कहा ?

(क) आम्रकूट गिरि (ख) नीचैर्गिरि

(ग) कैलाश गिरि (घ) हेमकूट गिरि

3. प्रथम दूतकाव्य है—

(क) कीरदूतम् (ख) हंसदूतम्

(ग) मेघदूतम् (घ) वायुदूतम्

4. 'शिवराजविजय' में शिववीर ने किसका वध किया ?

(क) अफजल खाँ का (ख) साईस्ता खाँ का

(ग) जयसिंह का (घ) मुअज्जम का

5. सौवर्णी किसकी बहन है ?

(क) श्याम सिंह की (ख) गौर सिंह की

(ग) दोनों की (घ) रघुवीर सिंह की

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य/असत्य लिखकर दीजिए :

6. महाकाल का मन्दिर उज्जयिनी में नहीं है।
7. यक्ष ने मेघ को नर्मदा का जल ग्रहण करने के लिए कहा।
8. संस्कृत का प्रथम उपन्यास 'शिवराजविजय' है।
9. तिष्णोर्माया भगवती मया सम्मोहितं जगत् से शिवराजविजय का प्रारम्भ किया गया है।
10. 'मेघदूतम्' में विप्रलम्भ शृंगार का वर्णन नही है।